108 केन्द्रों पर एक साथ चिकित्सा शिविर

स्वास्थ्य संवर्धन का अनुपम प्रयोग

चित्रकूट। दीनदयाल शोध संस्थान के 108 ग्राम स्वावलंबन केन्द्रों में स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों का उपचार किया गया। गांव में आमतौर पर स्वच्छता के अभाव से होने वाली बीमारियों के बारे में भी लोगों को बताया गया। एक दिवसीय शिविर में महाराष्ट्र मेडिकल कॉलेज के अध्ययनरत चिकित्सक, सतना, कर्वी तथा चित्रकूट के अस्पतालों के चिकित्सकों ने भी सहभागिता निभाई। शिविर में लगभग 16 हजार ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच की गई और उन्हें औषधी उपलज़्ध कराई गई।

शिविर के बाद विवेकानन्द सभागार दीनदयाल परिसर में विचार-विमर्श रखा गया। जिसमें उप्र के स्वास्थ्य मंत्री आशुतोष टंडन भी शामिल हुए। स्वास्थ्य शिविर से लौटे चिकित्सक छात्रों ने अपने अनुभव सुनाए। महाराष्ट्र मेडिकल कालेज, रीवा, जबलपुर से चिकित्सा छात्रों का मत था कि गांव में कुछ जगहों पर स्वच्छता है, तो कुछ स्थानों पर अभी स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। महाराष्ट्र मेडिकल की छात्रा सुश्री ज्योति ने अपने अनुभव में बताया कि मानवता और विनम्रता को लेकर चलने का जो पाठ उन्होंने पढ़ा था चित्रकूट के गांवों में वह देखने को मिल रहा है। ज्योति ने कहा कि गांव से चिकित्सा की शुरूआत उनके लिए अच्छा है।. यहां आकर उन्होंने ग्रामीण जीवन को बहुत करीब से समझा। उप्र स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री आशुतोष टंडन ने कहा कि हर जगह स्वच्छता, अशिक्षा की समस्या को मिटाने का काम किया जा रहा है।